**«Αντιφών, Περί του Ηρώδου φόνου 74-75»**

**ΦΥΛΛΟ ΕΡΓΑΣΙΑΣ**

1. Πως φέρθηκε ο πατέρας του Ευξίθεου προς τους Αθηναίους;
2. **πατρός, πατέρα, ὄντα, πραγμάτων, τούτου, ἀναγκάζων, λόγῳ:** Να γραφεί η ίδια πτώση στον άλλο αριθμό…
3. Στους παρακάτω τύπους να γίνει **Π.Α.**

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| **ΘΕΤΙΚΟΣ ΒΑΘΜΟΣ** | **ΣΥΓΚΡΙΤΙΚΟΣ ΒΑΘΜΟΣ** | **ΥΠΕΡΘΕΤΙΚΟΣ ΒΑΘΜΟΣ** |
| **πολλῷ** |  |  |
|  | **μᾶλλον** |  |
|  | **νεώτερος** |  |
| **σαφῶς** |  |  |
| **δεινά** |  |  |
| **ὀρθῶς** |  |  |

1. Στους δοθέντες ρηματικούς τύπους να γίνει **Χ.Α.**

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **Ενεστώτας** | **Παρατατικός** | **Μέλλοντας** | **Αόριστος** | **Παρακείμενος** | **Υπερσυντέλικος** |
|  |  |  | **ἀπολογήσασθαι** |  |  |
|  |  |  |  | **πεπραγμένων** |  |
| **ἀγωνιζομένου** |  |  |  |  |  |
|  | **ᾔδη** |  |  |  |  |
| **ἡγεῖται** |  |  |  |  |  |
|  |  | **προδώσω** |  |  |  |
| **ἀκούοντα** |  |  |  |  |  |
|  |  |  | **σφαλείην** |  |  |
|  |  |  |  | **κεκινδύνευκε** |  |

1. **σφαλείην:** Να κλιθεί στον **ΠΑΘΗΤΙΚΟ ΑΟΡΙΣΤΟ**
2. Να αναγνωριστεί ο **υποθετικός λόγος** και να μετατραπεί στο είδος του **πραγματικού & της αόριστης επανάληψης στο παρελθόν**
3. **τῶν πεπραγμένων:** Να αναλυθεί στην αντίστοιχη **δευτερεύουσα πρόταση**…